# राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर

## 18-03-2021 से 24-03-2021

**18-03-2021 प्रथम दिन** दीप प्रज्वलन, ईश वंदना के साथ शिविर का शुभारंभ किया गया । आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ मीनाक्षी अग्रवाल भूतपूर्व कार्यक्रम अधिकारी रही । सर्वप्रथम कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर अंजली मित्तल के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना क्या है, इसका उद्देश्य क्या है, 'मुझको नहीं तुमको' के सिद्धांत वाक्य के बारे में बताया ।उन्होंने छात्राओं को यह भी बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक चिन्ह लाल और नीले रंग का है, जो कोणार्क सूर्य रथ से लिया गया है। इसमें 24 पहिये हैं जो 24 घंटों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक पहिए में आठ तिल्लीयाँ है जो आठ प्रहर को दिखाती हैं, लाल रंग उत्साह और जीवंतता का प्रतीक है, गहरा नीला रंग ब्रह्मांड की ओर संकेत करता है , जो यह बताता है कि राष्ट्रीय सेवा योजना उसका एक छोटा सा अंश है। यह स्वयंसेवको को सिखाता है कि उन्हें 24 घंटे सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। उनमें उत्साह, स्फूर्ति हो और मानव मात्र की सेवा में अपना छोटा सा अंश देने को तैयार रहे। विशिष्ट कैंप के उद्देश्य क्या है ,इसके बारे में कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल ने प्रकाश डाला और बताया कि शिविर का उद्देश्य है-- मिलकर काम करना ,रचनात्मक कार्यों में अपने को लगाना, कमजोर वर्ग की सेवा करना, नेतृत्व के गुणों का विकास करना ,अनुशासन सीखना। इन सात दिवसीय शिविर में छात्राएं क्या क्या कार्य करेंगी उसकी जानकारी प्रदान की गई :कोरोना वैश्विक महामारी के प्रति जागरूकता फैलाएंगी ,वैक्सीन के प्रति जागरूकता अभियान चलाएंगे, मास्क पहने ठीक से पहनो ,मुस्कुराएगा इंडिया, योगा फॉर फिजिकल एंड मेंटल हेल्थ ,जागरूकता रैलियां, मिशन शक्ति अभियान, स्वास्थ्य परीक्षण, जनसंख्या नियंत्रण,कन्या भ्रूण हत्या, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ,बल्डगुरुप और हीमोग्लोबिन की जांच आदि कार्यक्रम और जागरूकता अभियान संचालित करेगी।

उद्घाटन समारोह में छात्राओं के द्वारा वृक्षारोपण के महत्व को बताया गया, किस तरीके से वायु प्रदूषण ,जल प्रदूषण हमें बीमारियों को दे रहा है ,सांस और अस्थमा की बीमारियों को बढ़ा रहा है ,इसके ऊपर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक में एंजलीना, गरिमा ,एलीन, पूजा, शालिनी ,शहरीन ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी। मानवता और दया पर छात्राओं के द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें निहारिका ,चांदनी वर्मा ,सफिया ,शमा ,अलीना, इलमा, नेहा ,सिमरन ,आयुषी ने भाग लिया। महिला शक्ति उसकी ताकत को प्रकट करते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया गया जिसे बुशरा, सना, वैशाली ,निधि, वेदांती, अनू,साहिबा, तनु पीति और तब्बू ने प्रस्तुत किया। सड़क सुरक्षा गीत को खुशबू ,तरन्नुम ,चांदनी ,ज्योति ,प्रियंका, काजल, चांदनी, एंजलीना ,गरिमा के द्वारा प्रस्तुत करते हुए यह बताया गया कि सड़क पर

दुर्घटना कैसे होती हैं ,क्यों होती हैं, इसके बारे में एक नाटक गीत के माध्यम से प्रस्तुति दी गयी ।कार्यक्रम के अंत में विशिष्ट अतिथि डॉ मीनाक्षी अग्रवाल के द्वारा छात्राओं को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया गया उन्होंने कहा कि वह अपने कार्य को लग्न और तन्मयता के साथ करें ।उन्होंने शिविर की सफलता के लिए भी अपना आशीर्वाद प्रदान किया। भूतपूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ महिमा शर्मा के द्वारा भी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत किस तरीके से शिविर में काम करना है इसकी जानकारी दी गई और अपनी शुभकामनाएं प्रदान की । उद्घाटन सत्र में डॉ महिमा शर्मा, डॉ मीनाक्षी अग्रवाल, डॉक्टर शुची प्रकाश, डॉक्टर निमिषा डॉक्टर महेश पालीवाल ,राजेंद्र जी, मोनिका, नीतू, डा. राहत,डॉक्टर सारिका, कविता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका गरिमा के द्वारा किया गया। धन्यवाद कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा दिया गया।

शिविर के **द्वितीय सत्र** में छात्राओं के द्वारा **स्वच्छता अभियान** चलाया गया। गमलों में और पौधों को पानी दिया गया, क्यारियों की सफाई की गई और श्रमदान किया गया । आज के शिविर की मुख्य थीम थी स्वच्छता । डॉ मीनाक्षी अग्रवाल भूतपूर्व कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा स्वयं सेविकाओं को स्वच्छता के ऊपर बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई । सर्वप्रथम उन्होंने पानी के प्रदूषण पर जानकारी दी और बताया कि प्रदूषित पानी किस तरीके से बीमारियां फैलाता है काली नदी के सर्वे में यह पाया गया कि पानी प्रदूषित होने से विकलांगता बढ़ी है ,उसका पानी प्रदूषित हो चुका है, हैंडपंप का पानी वहां पर पीला है ,दुर्गंध पुर्ण है और लोगों में विकलांगता ,मानसिक बीमारियां पैदा हो रही है ।दूषित पानी से पेट खराब होने ,स्किन संबंधी बीमारियां भी हो रही हैं जिसके कारण त्वचा में संवेदनहीनता बढ़ रही है ,पानी का लेवल नीचे जाता जा रहा है जगह-जगह कूड़े का ढेर ,नालियों में कूड़ा डाल देना नालियों कोब्लॉक करता है, मक्खी मच्छर खाने को प्रदूषित करते हैं और बीमारियां फैलाते हैं ।सड़कों में ,बसों में ,पब्लिक स्थानों पर थूकना, उन्हें गंदा करना ,कूड़ा फेंकना नागरिकों की आदत बन गई है जब तक हम उन्हें समझाएंगे नहीं, जागरूक नहीं करेंगे तब तक सड़क पर गंदगी मचाने का, नालियों को ब्लॉक करने का जो कार्यक्रम अपनाया जाता है उस पर रोक नहीं लग सकती। उन्होंने कोरोना बीमारी के समय किस तरीके से स्वच्छता को अपनाकर हम इस बीमारी से बच सकते हैं इसकी भी जानकारी प्रदान की और बताया कि इस बीमारी की रोकथाम के लिए बार-बार हाथों को धोये और कपड़े साफ धुले हुए पहने ,अपने हाथ और मुंह को बार-बार धोये। स्वयं सेविकाओं के द्वारा लक्ष्य गीत गाया गया।

**19-03-2021-** आज संत जोसेफ जोसेफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज सरधना में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के **दूसरे दिन** के प्रथम सत्र का शुभारंभ **प्रार्थना एवं योगा** से हुआ शिविर में

मुख्य अतिथि श्रीमान रेवतीशरण भाटिया जी भूतपूर्व अध्यापक संत चार्ल्स कॉलेज सरधना व वर्तमान में समाज सेवक योग ट्रेनर ने छात्राओं को पवनमुक्तासन, गोमुखासन,वृक्षासन,वीरभद्रासन,तितली आसन आदि का अभ्यास कराया। स्वयं सेविकाओं को इन आसनों के लाभ से अवगत कराया गया और बताया गया कि पेट की बीमारियां पवन मुक्त आसन के द्वारा, हृदय रोग गोमुखासन के द्वारा तथा आंतों की बीमारियां शिखा सन के द्वारा दूर की जा सकती है ।

तत्पश्चात छात्राओं के द्वारा शिविर स्थल पर स्लोगन लिखे गए। जिसमें खुशबू जैन ,तरन्नुम ,वेदांशी ,अंजली आंचल ,ज्योति, भावना, टीना, हिमांशी, सलोनी, पायल, इफरा ,गरिमां ,स्वाति ने स्लोगन लिखे ।इसमें प्रथम स्थान इफरा को ,द्वितीय स्थान तरन्नुम को ,और तृतीय स्थान गरिमा को प्राप्त हुआ।

शिविर के **द्वितीय सत्र** में सुरभि फाउंडेशन के दिनेश तलवार और उनके साथियों के द्वारा छात्राओं को संबोधित किया गया और जनसंख्या वृद्धि के नुकसान बताए गए, यह समझाया गया कि छोटा परिवार सुखी परिवार है, देश की बढ़ती हुई **जनसंख्या** चिंता का विषय है।अपने उद्बोधन के द्वारा उन्होंनने छात्राओ में असीम उत्साह का संचार किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने छात्रों से कहा कि अगर आप के साथ छेड़छाड़ होती है या कोई आपको परेशान करता है तो क्या आप चुप रहकर उसे सहेंगे उस पर छात्राओं का जवाब था नहीं हम इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। छात्राओं के द्वारा **जनसंख्या नियंत्रण एवं कन्या भ्रूण हत्या** रोकने संबंधी रैली निकालीगयी। दिनेश तलवार जी एवं उनके साथियों तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के साथ के साथ छात्राओं ने उल्टे चल कर पैदल रैली निकाली, छात्राएं उत्साह से भरी हुई थी ।

प्रसिद्ध कवि एवं समाजसेवी **डॉ ईश्वर चंद गंभीर** के द्वारा बालिका के महत्व पर अपनी स्वरचित कविताएं सुनाई गई जिसमें उन्होंने बेटी के महत्व को बताया साथ ही एक बेटी गर्भस्थ होने पर **"मैं हैरान हूं कैसे मरवाती है अपनी बेटी" बे**टियों को पढ़ाना अनिवार्य है ।उन्होंने पर्यावरण पर भी अपनी कविताएं पढ़ी ।पेड आवश्यक क्यों है? फल फूल प्राणवायु के लिए इन्हें लगाइए इन से दवाइयां और घनी छाया पाइए।मर कर भी जलाते हैं यह गरीबों के चूल्हे पेड़ों से मित्रता होनी ही चाहिए ।शुद्ध वायु और जल देते हैं जीवन को संबल देते हैं ।ये खाते है पत्थर फिर भी हम को फल देते हैं।उन्होंने वृक्ष लगाएं पर्यावरण बचाएं का संदेश दिया ।कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल ने सुरभि फाउंडेशन के सदस्यों डॉक्टर दिनेश तलवार, डॉक्टर ईश्वर चंद गंभीर जी का आभार प्रकट किया जो कि मेरठ से राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के अंतर्गत अतिथि के रूप में आए थे। छात्राओं के द्वारा कन्या भ्रूण हत्या और बेटी पढ़ाओ पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए गए।

**20-03-2021** सेंट जोसेफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज सरधना की राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई की स्वयंसेविकायें कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के नेतृत्व में **शिविर के तीसरे दिन** 20 मार्च को सरधना में **नारी शक्ति** से ओतप्रोत स्लोगन पट्टिकाओं को लेकर नारे लगाती हुई, **रैली निकालती** हुई

सरधना थाने तक पहुंची ।थाने पर उन्हें थाना प्रभारी निरीक्षक श्री बृजेश कुमार सिंह जो कि थाने के इंचार्ज हैं तथा सब इंस्पेक्टर श्री सुभाष सिंह के द्वारा **थाने की गतिविधियों के बारे में जानकारी** प्रदान की गई सबसे पहले सब इंस्पेक्टर सुभाष सिंह जी के द्वारा छात्राओं को थाने का निरीक्षण करवाया गया और बताया गया कि यहां पर क्या-क्या कार्य संपन्न होते हैं और किस-किस रूम में क्या होता है। विवेचना कक्ष, रिकॉर्ड रूम, रजिस्टर नंबर आठ कया है ,असलाह कक्ष, रेजिडेंशियल एरिया ,महिला बैरक, ।पुराने ,चोरी, के या जो एक्सीडेंट मे क्षतिग्रस्त वाहन जो पुलिस चौकी मे होते हैं उनका 10 या 5 साल में अगर कमेटी के द्वारा निर्णय हो जाता है तो वह दे दिए जाते हैं और जिनका कोई मोल नहीं रहता या समाधान नहीं निकलता उनकी नीलामी लगाकर स्क्रैप में बेच दिया जाता है ।

**महिला हेल्प डेस्क** में शिल्पी जी के द्वारा यह बताया गया की थाने की सेवा 24 घंटे के लिए उपलब्ध है ।हेल्पलाइन नंबर है जिन्हें आप नोट कर लें ।**108, 112 आपातकाल, 181 चुप्पी तोड़ो खुलकर बोले , 1090 वूमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन. 1098 रात दिन सेवा।** अगर आपकी कोई भी समस्या हो या शिकायत हो तो आप इन नंबरों पर कर सकते हैं ,आपका नाम गुप्त रखा जाएगा और आपकी समस्या का पूर्णतया समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने आगाह किया कि हमारे पास झूठी शिकायतें भी आती हैं जिससे काफी समय बर्बाद हो जाता है अतः आप लोगों से अनुग्रह है कि कभी भी झूठी शिकायत ना करें क्योंकि झूठी शिकायत करने पर आपके विरुद्ध भी कार्यवाही होगी ।18 साल से ऊपर के बच्चे अगर गुम हो जाते हैं तो उनकी एफ, आई, आर, गुमशुदगी में लिखी जाती है जबकि 18 साल से कम उम्र के बच्चों जो खो जाते हैं तब आईपीसी की धारा 363 के अंतर्गत मुकदमा लिखा जाता है। एफ आई आर तुरंत लिखी जाती है और कार्यवाही आरंभ कर दी जाती है ।उन्होंने बताया कि 112 नंबर डायल करने पर आपकी रिपोर्ट लखनऊ जाती है वहां से आप की लोकेशन ट्रैक होती है और लोकेशन सर्च करके यह देखा जाता है कि 112 नंबर की कौन सी गाड़ी घटनास्थल के नजदीक है उसे तुरंत सहायता के लिए भेजा जाता है और संबंधित थाने के अधिकारी को भी उसकी सूचना दे दी जाती है। उन्होंने बताया कि जैसे आप ध्यान दीजिए कि कोई भी घटना होने पर अगर आप नंबर 112 डायल करते हैं तो 5 या 10 मिनट में ही पुलिस वहां पर पहुंच जाती है वह इसी तरह से संभव होता है ।छात्राओ ने उनसे पूछा की उत्तर प्रदेश पुलिस का स्ट्रक्चर ढांचा क्या है तो उन्होंने बताया सबसे ऊपर डीजी पुलिस

उनके नीचे एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस इंस्पेक्टर जनरल ,जॉन ,रेंज और जिले में पुलिस गतिविधियां बँटी हुई । देहात के थाने में एसपी ग्रामीण होते हैं सरधना थाना के प्रभारी वर्तमान में श्री बृजेश कुमार सिंह जी हैं उनके नीचे इंस्पेक्टर प्रभारी इंस्पेक्टर है जो इस समय सुभाष सिंह जी हैं ।श्री बृजेश कुमार सिंह जी ने समझाया पुलिस का कलर रेड और ब्लू है। फ्लैग रेड ब्लू है ,जो हम बेल्ट पहनते हैं उस पर अशोक स्तंभ है। उत्तर प्रदेश पुलिस के कॉन्स्टेबल की वर्दी पर तीन सफेद पट्टियाँ होती हैं । उन्होंने यह भी समझाया कि प्रत्येक राज्य की अलग-अलग बैज होते हैं ।आज सरधना थाना भ्रमण करके राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं को महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध हुई और उन में नया उत्साह और संचार दिखाई दिया ।कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल ने थाना प्रभारी और वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुभाष सिंह जी का आभार व्यक्त किया ।डॉ मीनाक्षी अग्रवाल का सानिध्य प्राप्त हुआ ।

**कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल** के द्वारा छात्राओं को **सड़क पर चलते हुए** ऑटो रिक्शा या बस में जाते हुए किस तरीके से वह सावधान रहें और अपनी सुरक्षा करें इसके बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई उन्होंने बताया कि कॉलेज स्कूल आते समय आप यह कोशिश करें कि आप अकेले नहीं बल्कि दो तीन लड़कियों के समूह में आए और जाएं अगर कोई आपको वास्ते में छेड़ता है परेशान करता है तो चुपचाप ना सही बल्कि उसका विरोध करें ऑटो रिक्शा बस में जाते समय अगर कोई आपसे गलत व्यवहार करता है तो आप सो मच आए और लोगों से उसकी शिकायत करें सुनसान रास्तों पर अकेले ना जाएं आत्म सुरक्षा की ट्रेनिंग ले।

आत्म सुरक्षा की प्रशिक्षक मनु सिरोही के द्वारा छात्राओं को सेल्फ डिफेंस की तकनीक सिखाई गई। छात्राओं ने उन्हें सीखा उनका अभ्यास किया। स्वयं सेविकाओं ने आपने सुरक्षा की जो ट्रेनिंग उन्हें दी गई थी उसका अभ्यास किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छेड़छाड़ पर कैसे काबू किया जाए यह बताया गया।

**21-03-2021** शिविर के चौथे दिन राष्ट्रीय सेवा योजनात्रकी स्वयं सेविकाओं ने सर्वप्रथम प्रार्थना,योगा और ध्यान किया तत्पश्चात उन्होंने स्लोगन पट्टिकाएं तैयार की **साक्षरता** ग्रुप की छात्राओं ने स्लोगन लिखी पट्टिकाएं हाथ में लेकर शिविर स्थल तक नारे लगाते हुए जागरूकता रैली निकाली। वहां पर छात्राओं के द्वारा बस्ती के बच्चों को पढ़ाया गया, कॉपी किताबे,पेंसिल ,रबड़ आदि वितरित किए गए। अशिक्षा किस तरीके से अभिशाप है इसके ऊपर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया ।

तत्पश्चात छात्राओं के द्वारा बस्ती के लोगों को **पुरानी वस्तुओं से किस तरह से उपयोगी वस्तु बनाई जा सकती हैं** इसकी जानकारी उपलब्ध कराई गई ।छात्राओं ने शिविर स्थल पर प्लास्टिक की बोतलें, ढक्कन ,डिब्बे का काटकर उन पर अपनी प्रतिभा को दर्शाते हुए, उनमें मिट्टी भरी और पौधे लगाए

।आइसक्रीम की चम्मच से उपयोगी चीजे बनाई ।प्लास्टिक की बोतलें, उनकी पत्तियां काटकर उनमें फ्लावर पोट बनाये ।पुराने मटके--मटकी पर साज-सज्जा की गई। अनेक उपयोगी वस्तुओं को बनाकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया ।आज की थीम शिक्षा और कौशल पर रखी गई थी।

**22-03-2021** राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के पांचवे दिन के अंतर्गत **22 मार्च विश्व जल संरक्षण दिवस** पर राष्ट्रीय सेवा योजना की द्वितीय इकाई की ओर से एक वार्ता आयोजित की गई जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल ने स्वयं सेविकाओं को बताया कि जहां भी गिरे, जब भी गिरे बारिश की बूंद को सहेजें। वर्षा

जल सहेजने के लिए हमें अपने तालाबो, पोखरो को पुनः जीवित करके उसमे पानी को इकट्ठा किया जाए क्योंकि आकाश से गिरने वाली पानी की बूंदे अमृत बूंदे होती हैं।

**रेन वाटर हार्वेस्टिंग सेंटर** स्थापित करने होंगे ,सभी शहरों के सभी भवनों की छतों पर **वर्षा जल संग्रहण** प्रणाली को लागू किया जाए ।अगला विश्व युद्ध जल के लिए हो सकता है ऐसा पर्यावरण विदों की चेतावनी है अत: हमें सचेत होना होगा जिससे कि आने वाली पीढ़ी के लिए हम जल का कुछ अंश छोड़ सकें। उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे तरीके अपनाकर हम पानी की बचत कर सकते हैं जैसे कि ब्रश करते समय नल को खुला ना छोड़े हमेशा गाड़ी को धोने के बजाय सूखे गीले कपड़े से साफ करने की आदत डालें ,कपड़े से धुले हुए पानी को से हम घर में पोछा लगा सकते हैं, दाल चावल ,सब्जियों को धोने के बाद उस पानी को गमलों में डाल सकते हैं ।बेतहाशा पानी बहाने के बजाए कम से कम पानी का प्रयोग अगर प्रत्येक व्यक्ति छोटा-छोटा प्रयास करेगा करेगा और थोड़ा थोड़ा भी पानी बचाएगा तो इससे हम विश्व मानवता के लिए एक छोटा सा योगदान कर सकते हैं।

हमें शहरों में छतों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सेंटर स्थापित करने होंगे सभी शहरों के सभी भवनों की छतों पर वर्षा जल संग्रहण प्रणाली को लागू किया जाए। अगला विश्व युद्ध जल के लिए हो सकता है ऐसा पर्यावरण विदों की चेतावनी है हमें सचेत होना होगा जिससे कि आने वाली पीढ़ी को हम जल का कुछ अंशदान छोड़ दें अंबर की हर बूंद अमृत है उसका संरक्षण करना अनिवार्य है यदि भारत अपनी जल सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है तो हमें जल संचयन प्रणाली को पर ध्यान देना होगा आज कई राज्य ऐसे हैं जहां पर पहले जल की कमी थी लेकिन अपने अथक प्रयासों के द्वारा उन्होंने पानी की कमी को दूर किया है उदाहरण के लिए अलवर ,महूदी गांधीधाम कच्छ । शहर में अभी भी बारिश के पानी को सहेजने को प्राथमिकता नहीं दी जाती है इसके लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जरूरत है गांवों के अंतर्गत गंदा पानी जल स्त्रोतों में बहा दिया जाता है इस को रोकना होगा। गुरु वाणी में पवन को गुरु, पानी को पिता और धरती को मां कहा गया है ,ना केवल हमें पानी को संरक्षित करना है बल्कि उसको साफ भी

करना है। अगर सीवर और नालियों के पानी को साफ कर ले तो हम दो तरीके से कार्य कर सकते हैं एक तो उससे भूजल स्तर में सुधार हो जाएगा दूसरा खेतों की सिंचाई के लिए यूज किया जा सकता है जिससे फसल भी अच्छी होंगी ,अतिरिक्त खाद भी नहीं डालनी होगी , बिजली व डीजल की बचत होगी, क्योंकि आज खेतों में पानी ट्यूबवेल्स के माध्यम से दिया जाता है। नदियों को साफ करना भी अनिवार्य है ।तालाबों ,छोटी झीलों का भी संरक्षण जरूरी है। प्राय :हम यह देखते हैं और सुनते हैं कि एक हमारे करने से क्या होगा हमारा पड़ोसी आसपास के लोग तो खूब पानी बर्बाद करते हैं लेकिन कोई भी अगर इस काम को शुरू करता है तो दूसरा उसका अनुसरण करेगा एक चेन बनती चली जाएगी और चैन रिएक्शन का परिणाम होगा कि देश में पानी भरपूर मात्रा में उपलब्ध होगा । ज्यादातरबीमारियों के लिए अशुद्ध पानी जिम्मेदार है हर साल हम भारी-भरकम राशि बीमारियों के उन्मूलन के लिए खर्च करते हैं पेड़ पौधे लगाएंगे और ज्यादा ऑक्सीजन प्राप्त होगी इंसानियत जिंदा रहेगी ।आइए हम बारिश की एक-एक बूंद को समझो कर देश को जल की समस्या से मुक्ति दिलाएं हम दूसरों को जागरूक करने की नसीहत देते हैं लेकिन अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते पानी बचाने के लिए हर किसी को अपना कम फर्ज समझना और निभाना होगा लोगों को समझाना होगा कि आगामी पीढ़ियों के लिए हमें अगर जल छोड़ना है तो अभी से हम शुरुआत कर दें ।बारिश के दौरान पानी ताल -तलैया ,जैसे स्त्रोतों में जमा हो सकता है इससे भूजल स्तर बढ़ जाएगा ,जमीन की नमी बरकरार रहती है ,धरती के बढ़ते तापमान पर नियंत्रण रहता है ।लोगों में सामुदायिक ता पुष्पित होती है ।लोगों को रोजगार के बड़े स्रोत प्राप्त होते हैं ।1947 में देश में कुल 2400000 तालाब थे 2000 एक में सारे 500000 रहे गए इनमें से भी लगभग 15 फ़ीसदी बेकार है इसके लिए समाज और सरकार दोनों रूप से जिम्मेदार हैं कहीं पर अवैध कब्जे हो गए हैं और कहीं पर तालाबों की जमीनों का दूसरे का गेम इस्तेमाल कर लिया गया है ट्रीट करके खेती के कामों में लाया जा सकता है जिससे खाद।जल शक्ति अभियान जो कि केंद्र सरकार द्वारा आरंभ किया जा रहा है जो 22 मार्च से 30 नवंबर तक आयोजित होगा जिसमें बारिश के पानी को संजोने के लिए कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाएंगे डॉक्टर शुची प्रकाश ने पर्यावरण जागरूकता पर जानकारी प्रदान की उन्होंने छात्राओं को बताया कि कैसे प्लास्टिक की ईटें बनाए जा सकते हैं, बोरिंग और उसके दुष्प्रभाव ,घर के कूड़े कचरे से कैसे कंपोस्ट खाद बना सकते हैं ,प्राकृतिक एवं पारिवारिक पर्यावरण को कैसे सुधार सकते हैं । डॉक्टर सुषमा भूतपूर्व कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा जल संरक्षण पर छात्राओं को जानकारी प्रदान की गई। छात्रों ने **प्लास्टिक की पन्नी का बहिष्कार किया उन्हें कूड़े के डिब्बे में फेंक कर इस बात की शपथ ली कि हम प्लास्टिक की पन्नी का प्रयोग या तो करेंगे ही नहीं या जितना कम से कम हो सकता है उतना करेंगे उनके द्वारा कागज के बनाए गए थै ले का प्रयोग करने की शपथ ली गई।** पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया

जिसमें खुशबू गरिमा एक्का एंजलीना तरन्नुम स्वाति तबस्सुम निहारिका पूजा एक गा ने भाग लिया सम सेविकाओं द्वारा पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई पोस्टर एवं स्लोगन बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में निहारिका प्रथम खुशबू दित्य और तरन्नुम तृतीय स्थान पर रही। स्लोगन प्रतियोगिता में इकरा प्रथम एंजलीन आदित्य और तबस्सुम तृतीय स्थान पर रही। छात्राओं के द्वारा पौधों को पानी दिया गया क्यारियो की गुड़ाई की गई।

**23-03-2021** राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के **छठे दिवस** की थीम **स्वास्थ्य** निर्धारित की गई थी ।शिविर का शुभारंभ प्रतिदिन की भांति प्रार्थना और योगा से हुआ । आज छात्राओं का **ब्लड ग्रुप चेक कराया गया और हीमोग्लोबिन की जांच की गई । लव कुश पैथोलॉजी लैब** से आए **फहीम और जाहिद** के द्वारा यह जांच की गई। उन्होंने छात्राओं को बताया कि कौन कौन से ब्लड ग्रुप होते हैं। हिमोग्लोबिन कितना होना चाहिए ,छात्राओं के ब्लड ग्रुप और हिमोग्लोबिन चेक कर के साथ-साथ उन्हें हिमोग्लोबिन और ब्लड ग्रुप बताए गए ।लगभग 70 छात्राओं ने अपना ब्लड ग्रुप ,हिमोग्लोबिन चेक कराया गया। ब्लड ग्रुप नेगेटिव होने पर क्या सावधानी रखनी चाहिए यह भी बताया गया और ओ प्लस वाले किसी को भी रक्तदान कर सकते हैं यह समझाया गया।।

**विटामिन डी और कैल्शियम की कमी** किन कारणों से होती है और उनकी कमी से क्या बीमारियां होती हैं उन के क्या लक्षण है उनका इलाज क्या है इसकी जानकारी ओ, टी इंचार्ज **श्री विजय भारद्वाज** द्वारा छात्रों को प्रदान की गई । उन्होंने छात्राओं को बताया कि विटामिन डी और कैल्शियम की कमी महिलाओं और बच्चों में ज्यादा देखने को मिलती है। इसकी पहचान यह है कि जल्दी बाल झड़ने लगते हैं ,हाथ पैरों से लपटे से निकलती हैं ,हार्ट अटैक ,अस्थमा ,कमर दर्द ,घुटनों में दर्द ,जोड़ों में दर्द जैसी बीमारियाँ होती है ।विटामिन डी का सबसे अच्छा स्त्रोत सूरज की सुबह की धूप है जिनका रंग गोरा है वह धूप में कम से कम प्रतिदिन 15 से 25 मिनट और जिनका रंग सांवला है उन्हें लगभग 45 मिनट तक धूप में बैठना चाहिए। छात्रों के द्वारा प्रश्न पूछे गए । अपने परिवार के लोगों की जो परेशानियां थी उनके बारे में छात्राओं के द्वारा प्रश्न पूछे गए थे। विजय भारद्वाज ने छात्राओं के प्रश्नों के उत्तर दिए और बताया कि घुटनों के दर्द ,चलने फिरने में परेशानी, गठिया , यूरिक एसिड बढ़ने पर क्या इलाज करे ।यूरिक एसिड के बारे में भी जब एक छात्रा ने पूछा तो उन्होंने उसकी भी जानकारी दी।

**डॉ शुचि प्रकाश** के द्वारा **एनीमिया** मुक्त भारत पर अपना वक्तव्य दिया गया जिसमें उन्होंने बताया कि एनीमिया किन कारणों से होता है उसके क्या लक्षण है तथा हम अपने को एनीमिया से कैसे मुक्त सकते हैं उन्होंने छात्राओं को समझाया कि एनीमिया तब होता है जब सही से लालगढ़ कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं और उनके निर्माण में अधिक समय लगता है यह बीमा की अधिकता लड़कियों एवं महिलाओं में

अधिक होती है उन्होंने इसके लक्षणों कारणों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा इससे बचाव के उपाय बताएं उन्होंने छात्राओं को विटामिन ए वैसी युक्त पदार्थ हरी पत्तेदार सब्जियां लोह तत्व युक्त भोजन अथवा फोलिक एसिड आदि भोजन को लेने की सलाह दी **डॉ महिमा शर्मा** ने स्वस्थ जीवन शैली पर अपने विचार व्यक्त किए उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस ने जहां एक तरफ लोगों में डर का माहौल बनाया वही साथ-साथ लोगों को शारीरिक श्रम एवं घरेलू कार्य श्रम करने के लिए पुनः जागृत किया क्योंकि को गोनाकाल में सभी ने अपने घरों के आवश्यक कार्य को श्रम पूरा किया मौत कब है इतना अधिक था कि सभी ने अपने कार्यों को अपने आप किया आयुर्वेद योगा एवं स्वस्थ जीवन के प्रति लोगों को जादू करते हुए उन्होंने बताया कि अपनी यूनिटी को बढ़ाएं हमारी किचन तो खुद एक मेडिकल रूम है इंटरनेट के माध्यम से भी लोगों ने अपनी बीमारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की और डॉक्टर के क्लीनिक जाने का उन्होंने छात्राओं को फास्ट फूड कम करने और संतुलित तथा पौष्टिक भोजन ग्रहण करने का आह्वान किया आज के इस कार्यक्रम में **डॉ अंजलि मित्तल** के द्वारा कोरोनावायरस फिर से फैल रहा है आप सचेत रहें मास्क पहने और अपने घर के लोगों को खोना व्यक्ति लगवाने के लिए प्रेरित करें इस का आह्वान किया जिससे अधिक से अधिक लोग इस बीमारी के प्रकोप से बच सकते हैं जैसे हम अपने छोटे बच्चों को पोलियो की या अन्य वैक्सीन और दोष लगाते हैं उसी तरह कोरोना वैक्सीन भी हम सब को लगवानी चाहिए इसके कोई साइड इफेक्ट नहीं है अगर 1 या 2 दिन थोड़ा बहुत बुखार है सिर दर्द होता है तो उसे घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि ऐसा हर वैक्सीनेशन के बाद हो सकता है ।कार्यक्रम में डॉ महिमा शर्मा, डॉ मीनाक्षी अग्रवाल डॉ शुचि प्रकाश का विशेष सहयोग रहा कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल ने सभी का आभार प्रकट किया।

**24-03-2021** राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन समारोह **सांस्कृतिक कार्यक्रम और हुनर हाट प्रदर्शनी** के द्वारा  किया गया। हुनर हाट प्रदर्शनी में छात्राओं द्वारा प्लास्टिक से बनाई गई वस्तुएं ,प्लास्टिक की बोतलों को काटकर बनाए गए गमले ,शोपीस ,स्लोगन ,पट्टिकाएं, पोस्टर्स जो कि जल संरक्षण, वायु प्रदूषण, वृक्षारोपण, सेव वाटर ,सड़क सुरक्षा नियम, नारी सम्मान, स्वच्छता, साक्षरता पर बनाए गए थे उन की प्रदर्शनी लगाई गई। **प्रदर्शनी का उद्घाटन एसडीएम सरधना श्री अमित कुमार भारतीय, श्री दीपक शर्मा, सिस्टर सुपीरियर डॉक्टर मेल्बा,प्राचार्या डॉ सिस्टर क्रिस्टीना के द्वारा किया गया ।**सभी ने छात्राओं द्वारा बनाई गई कौशल युक्त प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उसकी भूरिभूरि प्रशंसा की ।इस बात पर विशेष बल दिया गया था कि सभी कार्य राष्ट्रीय सेवा योजना की थीम और वर्तमान समस्याओं पर आधारित रहे थे ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के  आरंभ **ईश वंदना और प्रार्थना ऐ मालिक तेरे बंदे हम** के साथ हुआ जिसे एंजलीना,अलीन, खुशबू, निधि प्रिया शालिनी स्वाति ने प्रस्तुत किया। तत्पश्चात गरिमा, खुशबू ,इफरा, तरन्नुम, अंतिल के द्वारा वंदे मातरम गीत पर योगा की प्रस्तुति दी गई ।कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल ने सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत की गई गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की। जिसमें उन्होंने बताया कि प्रथम दिवस में उद्घाटन, सांस्कृतिक कार्यक्रम ,नृत्य नाटिकाये  प्रस्तुत की गई जो कि पर्यावरण और प्रदूषण, भूख ,मानवता सड़क सुरक्षा से संबंधित रही। तत्पश्चात स्वच्छता और श्रमदान किया गया। दूसरे दिन छात्राओं ने जनसंख्या नियंत्रण और कन्या भ्रूण हत्या , बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश देने वाली उल्टी पैदल यात्रा की जिसमें सुरभि फाउंडेशन  मेरठ से दिनेश तलवार जी द्वारा छात्राओं को जनसंख्या नियंत्रण के लिए जागरूक किया गया। ईश्वर चंद गंभीर जी द्वारा बेटियों के महत्व नमामि गंगे पर अपनी कविताएं सुनाकर छात्राओं में गौरव पूर्ण भाव उत्पन्न किया गया। शिविर के तीसरे दिन छात्राओं के द्वारा नारी सम्मान,  मिशन शक्ति पर आधारित जागरूकता रैली निकाली गई ।उन्होंने सरधना थाने जाकर पुलिस की कार्यवाही का अवलोकन किया साथ ही छात्राओं ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जानकारी प्राप्त की और फल तथा बिस्कुट वितरित किए ।छात्राओं के द्वारा प्रतिदिन प्रार्थना ,योगासन, और प्रणाम ध्यान किया जाता था प्रतिदिन एक विषय पर रैली निकाली जाती थी ।वैश्विक महामारी कोरोना के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए रैली निकाली गई और सड़क पर चलने वाले लोगों को मास्क वितरित किए गए। स्वावलंबन के लिए उन्हें अपने कौशल से पुरानी चीजों से उपयोगी वस्तुएं बनाना, प्लास्टिक गमलों का या प्लास्टिक की बोतलों में पौधारोपण करना ,प्लास्टिक का भी रीयूज़ करना ,प्लास्टिक की थैली को उपयोग न करने की शपथ लेना तथा कागज ,कपड़े और जूट से बने हुए थैले के प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई ।विश्व जल दिवस पर जो कि 22 मार्च को था वार्ताएं आयोजित की गई जिसमें डॉक्टर अंजली मित्तल ने जल संरक्षण कैच द गेम वेयर फॉल्स एंड व्हेन इट फॉल्स, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अपनाना पानी के दुरुपयोग को रोकना इसकी जानकारी दी गई डॉ शुचि प्रकाश के द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए प्लास्टिक की ईटे बनाना रिवर्सबोरिंग के दुष्प्रभाव ,कंपोस्ट खाद बनाने की तकनीक के बारे में जानकारी प्रदान की गई ।मिशन शक्ति अभियान छात्राओं के द्वारा चल चला गया जिसमें छात्राओं को अपनी सुरक्षा कैसे कर सकती हैं कौन-कौन से हेल्पलाइन नंबर हैं किस जगह से महिला डेस्क में जाकर आप अपनी समस्याओं को सुलझा सकते हैं शिकायत दर्ज कर सकते हैं इसकी जानकारी कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा छात्रों को प्रदान की गई छात्रों ने साक्षरता रैली निकाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए तथा उनकी विटामिन डी कैल्शियम से होने वाली कमियों के प्रति जागरूक किया गया उसके कारण उपाय निदान बताए गए छात्राओं की हिमोग्लोबिन और ब्लड ग्रुप की जांच की गई एनीमिया प्रकाश ने छात्राओं को जागृत किया गया इसके

बारे में डॉ महिमा शर्मा ने किया वैक्सीन लगवाना से कोई नुकसान नहीं है इसके बारे में कई काम अधिकारी मीनाक्षी अग्रवाल ने जानकारी प्रदान की  गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसडीएम सरधना श्री अमित कुमार भारतीय, समाजसेवी  श्री दीपक शर्मा, श्री अंबुज प्रकाश, सुपीरियर सिस्टर मेलवा, प्राचार्य डॉ सिस्टर क्रिस्टीना, डॉ कुशा मलिक, डॉ मीनाक्षी, डॉ महिमा, डॉ पालीवाल, डॉ सूची प्रकाश, डॉ निमिषा, डॉ सुषमा, डॉ पूनम, डॉ सारिका, कविता,  नीरू, मोनिका, नीतू , ज्योति, पूजा,  श्री राजेंद्र सिंह कॉलेज की सभी छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल ने सभी का आभार प्रकट किया

**क्रार्यक्रम अधिकारी**
**डॉ अंजलि मित्तल**
**सेन्ट जोजफ्स गर्ल्स डिग्री कॉलेज**
**सरधना**

# सेंट जोसेफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सरधना

# राष्ट्रीय सेवा योजना

# सामान्य गतिविधियों सम्बन्धी आख्या

# 21-06-2020-08-04-2021

21 जूनः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर छात्राओं ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के चलते अपने- अपने घरों में स्वयं तथा अपने परिवार के लोगों, भाई बहनों के साथ योगा, प्राणायाम किया। उसके फोटो और वीडियो राष्ट्रीय सेवा योजना चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप पर प्रेषित किये गये ।

10 जुलाईः स्वयं सेविकाओं द्वारा कोविड-19 वैश्विक महामारी के संबंध में प्रतिदिन लोगों को जागरूक किया गया कि वह मास्क पहने, 30 सेकंड तक साबुन से हाथ धोएं, सामाजिक दूरी बनाए रखें।

20 जुलाईः स्वयं सेविकाओं द्वारा कोविड-19 वैश्विक महामारी पर जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्लोगन, पोस्टर, कविताएं बनाई गई तथा उन्हें चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना ग्रुप पर भेजा गया गया।

25 जुलाई से 30सितंबर तक छात्राओं द्वारा घर पर रहते हुए कपड़े के मास्क बनाए गए और जरूरतमंद लोगों को वितरित किए गए। सड़क पर रहने वाले गाय और कुत्तों को भोजन खिलाया गया।

30 जुलाई स्वयं सेविकाओं द्वारा कोविड-19 के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया। लगभग 30 छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाओं ने गायन, पोस्टर, कविता तैयार किए गए। उन्हें राष्ट्रीय सेवा योजना की व्हाट्सएप ग्रुप पर प्रेषित किया गया ।छात्राओं के ज्ञान की परीक्षा लेते हुए ऑनलाइन क्विज भी कराया गया।

5 सितंबर शिक्षक दिवस पर इकरा, फातिमा, शीतल चांदनी, प्राची, आंचल चैधरी लगभग 50 स्वयंसेविकाओं ने शिक्षकों के लिए ऑनलाइन संदेश भेजें ।छात्रों के द्वारा शिक्षकों के लिए बहुत ही सुंदर ग्रीटिंग संदेश भेजे गए जिन्हें चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजा गया।

18 सितंबर पर्यावरण पर छात्राओं के द्वारा पोस्टर बनाए गए तथा कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया।

20 सितंबर राष्ट्रीय सेवा योजना चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर वेबीनार में सहभागिता की गई।

24 सितंबर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वर्ण जयंती समारोह पर स्वयं सेविकाओं ने पोस्टर बनाए ,स्लोगन लिखे ।राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने शपथ ली, ऑनलाइन योगा एवं प्राणायाम किए गए जिसके फोटो और वीडियो राष्ट्रीय सेवा योजना के व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजे गए थे। पर्यावरण की रक्षा हेतु अपने अपने घरों में पौधे लगाए गए। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पोस्टर ,स्वच्छता पर आधारित पोस्टर और

स्लोगन बनाये गये। स्वच्छता पर आधारित नाटिका प्रस्तुत करते हुए वीडियो तैयार की ग ई। मास्क वितरित किये गये जिसमें निहारिका, शाइन, आंचल चैधरी ,गरिमा ,निशा की सहभागिता रही।

24 सितंबर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वर्ण जयंती समारोह पर यूनिसेफ के द्वारा जूम मीटिंग के माध्यम से आयोजित वेबीनार मैं सहभागिता की गई।

27 सितंबर को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं ने सहभागिता की। शाइन, निहारिका, प्राची सिरोही ,आंचल चैधरी, टीना ,गरिमा आदि छात्रों ने इसमें भाग लिया।

2 अक्टूबर गांधी जयंती पर स्वयं सेविकाओं ने पोस्टर बनाए ,कविताएं लिखी ,कोटेशंस लिखी गई। स्वच्छता अभियान चलाया । राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं के लिए गांधी जयंती पर वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने गांधी जी के विचारों को प्रस्तुत किया। गांधी जी से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, भाषण प्रस्तुत किए गए। जिसमें आंचल चैधरी फिरदोस ,वंदना, गुलअफशा, इफरा ईकरा, प्राची निशा ने पोस्टर ,स्लोगन बनाएं जिसकी जिसके फोटोग्राफ्स एवं वीडियो चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजे गए।

15 अक्टूबर वैश्विक हाथ धुलाई दिवस पर छात्राओं के द्वारा हाथ धोने के महत्व को बताते हुए छोटे बच्चों को हाथ धुलवाये गये। घर और परिवार के लोगों को हाथ धोने का महत्व समझाया कि जिससे हम कोरोना जैसी बीमारी को बचा सकते हैं तथा हैजा और पेट से संबंधित बीमारियों को भी हम बार-बार हाथ धोकर हाथों की सफाई करके इन बीमारियों से छोटे बच्चों को बचा सकते हैं। छात्राओं के द्वारा बच्चों को हाथ धोने का सही तरीका सिखाया गया। अंतिल, श्रीनू भाटिया ,प्राची ने स्लोगन लिखे स्वस्थ रहोगे तो हम बीमारियों से बचे रहेंगे।विश्व हाथ धुलाई दिवस पर छात्राओं द्वारा पोस्टर, स्लोगन ,हाथ धुलवाते हुए फोटोग्राफ्स भेजे जिन्हें चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के व्हाट्सएप ग्रुप पर भेजा गया था।

15 अक्टूबर को वैश्विक हाथ धुलाई दिवस पर यूनिसेफ और राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित जिंदगी मास्टर क्लास सीजन 2 वेबिनार में कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल और स्वयं सेविकाओं ने सहभागिता की थी।

17 से 23 अक्टूबर उत्तर प्रदेश सरकार ने बेटियों की सुरक्षा के लिए और उन्हें जागरूक करने के लिए 17 से 23 अक्टूबर तक शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रम चलाए गए सेंट जोसेफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत निम्न कार्यक्रम आयोजित किए गएः

17 अक्टूबर को स्वयं सेविकाओं, उनके माता-पिता और सभी शिक्षकों ने महिला सुरक्षा और उनके सम्मान की रक्षा की शपथ ली ।शपथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा दिलाई गई ।लगभग 70 छात्राओं ,22 शिक्षकों और 30 अभिभावकों के द्वारा ऑनलाइन शपथ ली गई।

18 अक्टूबर को शिक्षकों की समाज निर्माण में भूमिका तथा महिला सम्मान और सुरक्षा के प्रति क्या योगदान हो सकता है, इस पर एक वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें प्राचार्य डॉ सिस्टर किस्टीना और सभी शिक्षकों ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किए।

19 अक्टूबर को लैंगिक समानता पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें कॉलेज के सभी शिक्षक एवं छात्राओं ने भाग लिया । श्रीमती नीरु ने इस बात पर बल दिया कि संविधान के द्वारा समानता

का अधिकार दिया गया है और हम सभी को अपने बच्चों में ,छात्रों और छात्राओं में लड़कों और लड़कियों में कोई भेदभाव नहीं करना चाहिए ।उन्हें पढ़ने के ,आगे बढ़ने के समान अवसर देने चाहिए तथा दोनों के सम्मान की रक्षा की जानी चाहिए। छात्राओं के अभिभावकों को भी इसमें शामिल होने का अवसर दिया गया था।

20 अक्टूबर को डॉक्टर पूनम यादव के द्वारा आत्मरक्षा छात्राएं कैसे कर सकती हैं उसके गुण सिखाए गए । विजुअल आर्ट से मार्शल आर्ट के माध्यम से उन्होंने छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें लगभग 50 स्वयंसेविका  शामिल रही।

21 अक्टूबर डॉ शुचि के द्वारा छात्राओं एवं महिलाओं की मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग की गई। उन्होने बताया कि सभी के जीवन में कुछ ना कुछ परेशानी आती हैं और उनका समाधान कैसे निकाला जाएगा ।श्रीमती मोनिका  के द्वारा छात्राओं को महिलाओं के कानूनी अधिकार के बारे में जानकारी दी गई और संकट की स्थिति में कैसे और किस से परामर्श लिया जा सकता है इसके बारे में बताया गया।

22 सितंबर को ज्योति एवं रंजना गृहविज्ञान विभाग के द्वारा छात्राओं को पौष्टिक आहार, विटामिन, आयरन की कमी से होने वाली परेशानियों के बारे में तथा बच्चों के कुपोषण के बारे में जानकारी दी गई।

22 सितंबर को ही खेल विभाग की मनु शिक्षिका द्वारा छात्राओं को शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने  के लिए  योगा ,प्राणायाम ,खेल के महत्व  के बारे में जानकारी दी गई ।

23 अक्टूबर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा महिला सुरक्षा कैसे की जाए, क्या -क्या सावधानियां रखी जाए, संकट की स्थिति में आप कौन-कौन से नंबर मिला सकती हैं की जानकारी दी गई। आपको बंधन नहीं सुरक्षा की जरूरत है। आप इतना सफल और मजबूत बने कि प्रत्येक परिस्थिति का सामना कर सके लेकिन अपनी रक्षा और सुरक्षा के लिए भी सतर्क रहें । अगर आप मुसीबत में हैं तो  अपनी मदद के लिए इन फोन नंबर पर कॉल कर सकती हैं  वूमेन पावर लाइन ,महिला हेल्पलाइन 181  मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1090 ,1076  पुलिस आपातकालीन  112  ,स्वास्थ्य सेवा 102 ,एंबुलेंस सेवा 108 ,चाइल्डलाइन सेवा 1098, वुमन हेल्पलाइन नंबर 1090,  पर आप संपर्क करें ।बस में चढ़ते हुए, ऑटो में बैठते हुए ,टैक्सी में बैठते हुए ,सड़क पर चलते हुए, स्कूल में आते जाते समय ,बाहर नौकरी पेशा करते समय, रात में और दिन में किन-किन सावधानियों को रखना चाहिए इसकी जानकारी दी गई साथ ही सरकार द्वारा चलाई गई विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया।

23 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदूषी त्यागी ने साइबर अपराध और उनके बारे में विस्तार से जानकारी दी कि किस तरीके से आप आज के समय में साइबर अपराधियों के बढ़ते हुए मकड़जाल से  सुरक्षित रह सकती हैं

31 अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर स्वयं सेविकाओं द्वारा रन फॉर यूनिटी शपथ ग्रहण निबंध प्रतियोगिता पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया गया राष्ट्रीय सेवा योजना के श्रम सेविकाओं के लिए विभिन्न आयोजन किया गया जिसमें डॉ अंजलि मित्तल द्वारा सदा वल्लभभाई पटेल जी के योगदान किस तरीके से आजाद भारत में 600 देशी रियासतों के एकीकरण को कराया गया मंत्री के रूप में उन्हें किस तरीके से राष्ट्र को मजबूती प्रदान की एकता की मिसाल कायम की उन्हें लोह पुरुष के नाम से जाना जाता है क्यों इस सब की जानकारी प्रदान की गई ।

10 से 15 नवंबर यातायात सुरक्षा सप्ताह मनाया गया जिसमें छात्राओं के यातायात संबंधी नियमों की जानकारी दी गई किस तरीके से आप सुरक्षित ड्राइविंग कर सकती हैं हेलमेट पहनना क्यों जरूरी है

आपके पास अपने वाहन के कागज होने चाहिए, प्रदूषण की जांच समय-समय पर अपने विकल की आपको करानी चाहिए जिससे वायु प्रदूषण का खतरा कम होगा। यातायात के नियमों का हम सभी को

पालन करना होगा तभी हम सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या को कम कर सकेंगे और अपनी तथा अपने परिवार के लोगों की तथा अन्य लोगों की रक्षा हो सकेगी इसकी जानकारी कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा प्रदान की गई

19 से 25 नवंबर कौमी एकता सप्ताह के रूप में मनाया गया जिसमें स्वयं सेविकाओं द्वारा राष्ट्रीय की एकता की शपथ ली गई। राष्ट्रीय एकीकरण के लिए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया सर्व धर्म सम्भाव के लिए सभी धर्म की छात्राओं ने प्रार्थना की। देश में विभाजन करने वाली शक्तियों को परास्त करके कैसे देश को हम मजबूत कर सकते हैं इसके बारे में कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा जानकारी दी गई। छात्राओं के द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण पर पोस्टर, बनाए गए स्लोगन लिखे गए।

26 नवंबर संविधान दिवस पर स्वयं सेविकाओं ने संविधान के आदर्शों पर चलने और उनका पालन करने की शपथ ली। शपथ कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा दिलाई गई। इस अवसर पर संविधान की प्रस्तावना मौलिक अधिकार नीति निर्देशक तत्व के महत्व को उजागर किया गया। जिसमें प्राची एंजलीना इफरा ज्योति निशा टीना एंजलीना ने भाग लिया। कॉलेज प्रांगण में पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें इफरा प्रथम एंजलीना द्वितीय और प्राची तृतीय स्थान पर रही।

1 दिसंबर एड्स दिवस पर छात्राओं के द्वारा एड्स पर पोस्टर बनाए गए, रैली निकाली गई। एड्स जैसी भयंकर बीमारी के बारे में छात्राओं को कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा सचेत किया गया और बताया गया कि एड्स बीमारी कैसे फैलती है उससे हम कैसे बच सकते हैं।

4 दिसंबर को राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर कोरोना जागरूकता पर लगाया गया जिसमें प्रार्थना, लक्ष्य गीत, रैली स्लोगन एवं पोस्टर बनाकर जागरूकता अभियान चलाया गया।

6 दिसंबर मास्क बैंक का उद्घाटनः राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के द्वारा सेंट जोसेफ गर्ल्स पीजी कॉलेज सरधना में मास्क बैंक का शुभारंभ किया गया ।जिसमें छात्राओं के द्वारा हाथ से बनाए गए मास्क इकट्ठे किए जिन्हें जरूरतमंद लोगों और कॉलेज में बिना मास्क के आने वाली छात्राओं को वितरित किया जाएगा। मास्क बैंक का उद्घाटन प्राचार्य डॉ सिस्टर क्रिस्टीना के हाथों से हुआ। कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा मास्क ठीक से पहने, गले में लटकाने से मास्क पहनने का उद्देश्य पूरा नहीं होगा । आज यह देखने में आया है कि प्रशासन के डर से लोग मास्क को मुंह और नाक पर न लगाकर गले में लटकाए रहते हैं जिससे मास्क लगाने का जो उद्देश्य है वह पूरा नहीं हो पाता। आवश्यकता इस बात की है कि मास्क लगाएं उसे सही ढंग से नाक और मुंह पर ढके। कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदुषी त्यागी ने मास्क पहनने से क्या लाभ होगा ,कैसे हमको करोना, ' वायु प्रदूषण से अपने आप को बचा सकते हैं इसके बारे में जानकारी प्रदान की । उद्घाटन के समय डॉक्टर मित्तल, डॉक्टर विदुशी त्यागी , डॉ मीनाक्षी अग्रवाल, डॉक्टर महिमा शर्मा ,डॉक्टर निमिषा ,डॉक्टर शुची प्रकाश , श्रीमती नीरु, डॉक्टर राहत, ज्योति ,पूजा ,मनु ,डॉक्टर महेश पालीवाल जी उपस्थित थे। कॉलेज की छात्राओं ने भी इस में अपनी सहभागिता की ।

10 दिसंबर विश्व मानव अधिकार दिवस पर डॉ अंजली मित्तल के द्वारा छात्राओं को शपथ दिलाई गई कि वे मानव अधिकारों के प्रति जागरूक होंगी और उनके संरक्षण के लिए कार्य करेंगी। उन्होंने बताया कि

10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा की थी और उसे मानव अधिकार दिवस के रूप में घोषित किया था। आज छात्राओं ने मानव अधिकार पर स्लोगन बनाएं इसमे अंतिल, तबस्सुम ,खुशबू, एंजलीना, हया, इफरा, संध्या, शिवानी, टीना, शाइन ने स्लोगन प्रतियोगिता

में भाग लिया स्लोगन प्रतियोगिता में इफरा प्रथम ,अंतिल द्वितीय, तबस्सुम तृतीय स्थान पर रही। पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। शाहीन ,संध्या टीना, अंतिल ,इफरा, एंजलीना ने पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें प्रथम स्थान शाहीन द्वितीय स्थान संध्या और तृतीय स्थान एंजलीना का रहा।

12 जनवरी दूसरा एक दिवसीय शिविर युवा एवं मिशन शक्ति की थीम पर आयोजित किया गया। जिसमें स्वामी विवेकानन्द के विचारों पर प्रकाश डाला गया। कवितायें पढी गयी।रैली स्लोगन एवं पोस्टर बनायें गयें। नारी सुरक्षा पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

23 जनवरी सेन्ट जोजफ्स गर्ल्स डिग्री कॉलेज सरधना में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई ।डॉक्टर अंजली मित्तल के द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा, जय हिंद का नारा देने वाले भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता जो अपने पराक्रम अपनी मंजिल हासिल करने के लिए उत्सुक थे।

25 जनवरीः राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से 11वीं राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता दिवस पर छात्राओं को मतदाता जागरूकता शपथ दिलाई गई । अंतिल, एंजलीना, प्राची, खुशबू ,हया ने मतदाता जागरूकता गीत गाया। छात्राओं द्वारा स्लोगन पोस्टर ,अल्पना बनाये गये ।कार्यक्रम का संचालन डॉ अंजली मित्तल के द्वारा किया गया ।उन्होंने छात्राओं को नए मतदाता बने ,फॉर्म सिक्स कैसे भरा जाएगा, कहां पर जमा होना है ,आप खुद भी अपना वोटर आईडी बनवाएं ,अपने घर के सदस्यों या आसपास के लोगों को भी जो कि 18 वर्ष के हो गए हैं उन्हें अपना मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए जागरूक और प्रेरित करें। जब तक आपका मतदाता पहचान पत्र नही बनेगा अर्थात मतदाता सूची में आपका नाम अंकित नहीं होगा तब तक आप भारत के मतदाता नहीं बन पाएंगे। अगर आपका मतदाता चुनाव पत्र बन जाता है तो आप आने वाले चुनाव में मत के माध्यम से अपनी सरकार को या अपने प्रतिनिधियों को चुन सकते हैं यह आपके लिए एक गौरव की बात होगी कि आप देश के सरकार को चुनने में अपनी सहभागिता व्यक्त करेंगे और जब भी मतदान हो तो आप मतदान के लिए अवश्य जाएं । प्राचार्य डॉ सिस्टर क्रिस्टीना के द्वारा अपने संबोधन में सभी छात्राओं को भारत का गौरवपूर्णत्र मतदाता बनना, उस पर गर्व करना और सतत जागरुक रहकर अपने मतदान का प्रयोग करे।

26 जनवरीः गणतन्त्र दिवस मनाया गया।

4 फरवरीः चोरी चोरा जन प्रतिरोध की सौवी जयंती पर सेंट जोसेफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज सरधना में वंदे मातरम गीत गाया गया। छात्राओं के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को श्रद्धांजलि दी गई ,जय हिंद, वंदे मातरम का नारा लगाया गया । राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजलि मित्तल के द्वारा असहयोग आंदोलन, चोरी चोरा कांड के बारे में छात्रों को बताया गया कि कैसे गांधी जी द्वारा चलाए गए अहिंसक असहयोग आंदोलन में एक छोटी सी हिंसात्मक घटना चोरी चोरा जगह पर हो गई थी जिसके कारण से गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को बीच में ही स्थगित कर दिया था जिस पर गांधी जी की बहुत आलोचना हुई थी और बहुत से स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी गांधीजी से अलग विचारधारा

में शामिल हो गए थे ।आज का दिन उसी घटना को याद करने का दिन है। राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं के द्वारा साइकिल रैली निकाली गई तथा कॉलेज प्रांगण में श्रमदान किया गया।

10 फरवरीः तीसरा एक दिवसीय शिविर यातायात एवं सड़क सुरक्षा थीम पर आयोजित किया गया। जिसमें कवितायें पढी गयी, रैली, स्लोगन एवं पोस्टर बनायें गयें। यातायात एवं सड़क सुरक्षा पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

03 मार्चः कालिज परिसर में सफाई अभियान

06 मार्चः कालिज परिसर में पौधों को पानी देना

10 मार्चः कालिज परिसर में सफाई एवं पौधों को पानी देना

17 मार्चः विषेश शिविर की तैयारी

18-24 मार्चः सात दिवसीय विषेश शिविर का आयोजन

01 अप्रेलः चर्तुथ एक दिवसीय शिविर। शिविर से होने वाले लाभों पर चर्चा। कोरोना वैक्सीन जागरुकता अभियान

05 अप्रेलः कालिज परिसर में सफाई एवं पौधों को पानी देना

08 अप्रेलः कालिज परिसर में सफाई एवं पौधों को पानी देना

**क्रार्यक्रम अधिकारी**
**डॉ अंजलि मित्तल**
**सेन्ट जोजफ्स गर्ल्स डिग्री कॉलेज**
**सरधना**

☎ 01237-237490

St. Joseph's Girls Degree College

Sardhana - 250 342 Meerut (U.P.)

Website : www.stjosephscollegesardhana.com e-mail : stjosephs1981@gmail.com

Established & Administered By The Congregation of Jesus & Mary

NAAC ACCREDITED - GRADE 'B'

**रिपोर्ट**

सत्र – **2020-21**

**विषय : राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के सम्बन्ध में ।**

**इकाई - प्रथमa**

**कार्यक्रम अधिकारी - डॉ॰ विदुषी त्यागी**

**महाविद्यालय का नाम - संत जोसफ्स गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सरधना**

**दिनांक - 18 मार्च 2021 से 24 मार्च 2021**

**विशेष शिविर स्थल - साहंसी, सरधना**

**छात्राओं की संख्या - 50**

**प्रथम दिन :**

दिनांक **18 .03.2021** को राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर के **प्रथम दिन** का विषय "**श्रमदान महादान**" रहा। इस अवसर पर प्राचार्य सिस्टर डॉक्टर क्रिस्टीना जी व कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदुषी त्यागी, पूर्व कार्यक्रम अधिकारियों व राष्ट्रीय स्वयं सेविकाओं के द्वारा

गांधीजी के सामने दीप प्रज्वलन किया गया । शिविर का शुभारंभ लक्ष्य गीत '**उठे समाज के लिए उठे उठे** ' गाकर किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदुषी त्यागी के द्वारा स्वयं सेविकाओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के सिद्धांत वाक्य '**मुझको नहीं तुमको**' के बारे में जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतीक चिन्ह जो उड़ीसा के कोणार्क सूर्य मंदिर के रथ चक्र पर आधारित है, के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। राष्ट्रीय सेवा योजना का बेज के बारे में भी स्वयं सेविकाओं को बताया गया कि मंदिर के रथ में 24 पहिए हैं जो संपूर्ण दिन के 24 घंटों का प्रतिनिधित्व करते हैं, प्रत्येक पहिया में 8 तीलियां हैं जो 8 प्रहर दर्शाती हैं इसलिए जो व्यक्ति इस बेज को धारण करता है उसे यह बेज याद दिलाता है कि वह राष्ट्र सेवा के लिए दिन-रात अर्थात 24 घंटे तत्पर रहें। इसके साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य लोगों के साथ मिलकर कार्य करना ,स्वयं को सृजनात्मक और रचनात्मक सामाजिक कार्यों में प्रवृत्त करना, स्वयं तथा समुदाय की ज्ञान की वृद्धि करना , समस्याओं के कुछ ना कुछ हल करने में स्वयं की प्रतिभा का व्यवहारिक उपयोग करना, प्रजातांत्रिक नेतृत्व को क्रियान्वित करने में दक्षता प्राप्त करना, स्वयं को रोजगार के योग्य बनाने के लिए कार्यक्रम विकास में दक्षता प्राप्त करना, शिक्षित और अनुशासित करना ।

**दूसरा दिन :**

दिनांक **19-03-2021** को राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का **दूसरा दिन** रहा ।

शिविर का विषय "**योगा से होगा** " रहा । इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदुषी त्यागी के निर्देशन में सभी संपन्न कराए गए ।

सर्वप्रथम शिविर में मुख्य अतिथि श्रीमान रेवती शरण भाटिया जी के द्वारा, भूतपूर्व अध्यापक संत चार्ल्स कॉलेज योगा ट्रेनर ने छात्राओं को पवनमुक्तासन ,गोमुखासन ,वृक्षासन , वीरभद्रासन, तितली आसन आदि का अभ्यास कराया गया। स्वयं सेविकाओं को इन आसनों के लाभ से अवगत कराया । बताया कि पेट की बीमारियां को पवनमुक्तासन के द्वारा , हृदय रोग गोमुखासन के द्वारा तथा आंतों की बीमारियां शिखा सन के द्वारा दूर की जा सकती है।

स्वयंसेविका ने शिविर स्थल पर पहुंच कर वहां की साफ सफाई की तथा लक्ष्य गीत गाकर स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा के लिए उत्साहित किया गया ।

तत्पश्चात स्वयं सेविकाओं के द्वारा एक रैली निकालकर मास्क '**अभी भी है जरूरी** 'का संदेश नगर वासियों को दिया । मास्क वितरित किए गए लोगों को मास्क से होने वाले फायदे के बारे में भी साथ-साथ समझाया गया ।

शिविर स्थल पर पहुंचकर छात्राओं द्वारा स्वरचित कविता प्रतियोगिता में भाग लिया गया। जिसमें तरन्नुम त्यागी ने, सड़क सुरक्षा पर स्वाति ने बढ़ती जनसंख्या पर, खुशबू ने सशक्त महिला, विषय पर तथा ईशा ने कोरोना वायरस व नारी शक्ति अपनी - अपनी कविताएं प्रस्तुत की ।

**तीसरा दिन :**

दिनांक **20-3-2021** को राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का **तीसरा दिन** रहा ।

शिविर का शुभारंभ स्वयं सेविकाओं के द्वारा लक्ष्य गीत गाकर किया गया । योगा ट्रेनर के द्वारा स्वयं सेविकाओं को विभिन्न प्रकार के आसन कराए गए तथा साथ में प्राणायाम भी कराया गया ।

इसके पश्चात स्वयं सेविकाओं को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया । प्रतियोगिता में खुशबू, यासमीन व हिमांशी क्रमशः प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही ।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदुषी द्वारा छात्राओं को स्वावलंबन का अर्थ एवं जीवन में स्वावलंबी बनने के महत्व पर प्रकाश डाला गया । बताया गया कि एक महिला के लिए स्वावलंबी होना अति आवश्यक है।

इसके पश्चात स्वयं सेविकाओं के द्वारा नगर के प्राथमिक चिकित्सालय में जाकर मरीजों का हालचाल जाना गया तथा उनका मनोबल बढ़ाया गया।

स्वयंसेवीकाओ के द्वारा मरीजों को फल वितरित किए गए इसके के माध्यम से समाज में सेवा परमो धर्मा का संदेश दिया।

**चौथा दिन :**

**21 -03 -2021** को राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का **चौथा दिन** रहा। शिविर का विषय **'स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी '** रहा ।

शिविर में लव कुश पैथ लैब से आए फहीम और जाहिद के द्वारा छात्राओं के ब्लड ग्रुप और हिमोग्लोबिन की जांच की गई।

शिविर में स्वयं सेविकाओं को ब्लड ग्रुप ए,बी ,एबी पॉजिटिव व ओ के बारे में विस्तार से बताया गया । बताया गया कि ब्लड ग्रुप ग्रहण करता होता है तथा ब्लड ग्रुप ओ ,सर्वदाता होता है।

स्वयं सेविकाओं को हिमोग्लोबिन की मात्रा के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। बाद में स्वयं सेविकाओं के द्वारा नगर में कोरोना एवं स्वास्थ्य विषय पर रैली निकाली गई। शिविर में डॉ महिमा के द्वारा स्वस्थ्य जीवन पर अपने विचार रखे गए।

छात्राओं को एनीमिया से मुक्त होने के लिए हरे पत्तेदार सब्जियां लौह तत्व भोजन एवं फोलिक एसिड लेने की सलाह दी गई ।

**पांचवा दिन :**

**22 -03- 2021** राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का **पांचवा दिन** रहा। शिविर का आज का विषय रहा '**पर्यावरण संरक्षण जागरूकता**'।

प्रत्येक दिन की भांति सर्वप्रथम स्वयं सेविकाओं के द्वारा योगाभ्यास व प्राणायाम किया गया। तत्पश्चात लक्ष्य गीत गाकर उत्साह व उमंग के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। आज विश्व जल दिवस के अवसर पर डॉक्टर महिमा शर्मा द्वारा "**सेव वाटर सेव लाइफ"** के ऊपर एक व्याख्यान शिविर में दिया गया।

स्वयं सेविकाओं के द्वारा **' से नो प्लास्टिक** 'की शपथ ली गई व स्वयं और दूसरों को भी प्लास्टिक का प्रयोग ना करने के लिए प्रेरित किया गया। स्वयं सेविकाओं के द्वारा पर्यावरण संरक्षण जागरूकता विषय पर नगर में रैली के द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया।

शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदुषी त्यागी ने स्वयं सेविकाओं को प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा है बताया। प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े, जूट व कागज से बनी वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई। स्वयं सेविकाओं ने प्लास्टिक से बनी हुई वस्तुओं का बहिष्कार किया तथा पेपर बैग व कपड़े के बैग शिविर में ही तैयार कराए गए।

**छठवां दिन :**

आज दिनांक **23.03 .2021** को संत जोसेफ गर्ल्स डिग्री कॉलेज में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के **छठे दिन** के इकाई प्रथम के प्रथम सत्र का प्रारंभ कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदुषी त्यागी के निर्देशन में छात्राओं द्वारा योगाभ्यास एवं लक्ष्य गीत गाकर किया गया।

आज का मुख्य विषय था **"निरक्षरता को हटाना है सबको साक्षर बनाना है** "। स्वयं सेविकाओं ने शिविर स्थल पर स्वच्छ भारत पर एक लघु नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समाज में स्वच्छता के महत्व का संदेश दिया।

पटक के द्वारा संदेश दिया गया कि हमें अपने आसपास सफाई रखनी चाहिए तथा कूड़ा , कूड़ेदान में ही डालना चाहिए । स्वयं सेविकाओं ने बस्ती के बच्चों को साफ सफाई से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई । नाटक के माध्यम से छात्राओं ने बस्ती में संदेश दिया कि हम अपने आसपास सफाई रखें तथा बीमारियों से खुद को और समाज को बचा कर रखें ।

स्वयं सेविकाओं के द्वारा गरीब बच्चों को कॉपी और पेन का वितरण किया गया स्वयं सेविकाओं के द्वारा गरीब बच्चों को अक्षर ज्ञान भी करा गया।

शिविर स्थल पर आज की मुख्य अतिथि डॉक्टर निमिषा मल असिस्टेंट प्रोफेसर एजुकेशन, रहीं । छात्राओं को "**जीवन में शिक्षा के महत्व** "पर व्याख्यान दिया। बताया गया कि एक शिक्षित नारी संपूर्ण समाज को शिक्षित कर सकती है ।

शिविर में छात्राओं द्वारा अपने-अपने अनुभव भी एक दूसरे के साथ साझा किए गए।

**सातवां दिन :**

**24 -03- 2021** राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर **सातवां** व अंतिम दिन रहा। शिविर का विषय **'कौशल विकास '** था।

समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम और हुनर हाट प्रदर्शनी के द्वारा किया गया। हुनर हाट प्रदर्शनी में छात्राओं द्वारा प्लास्टिक से बनाए गए वस्तुएं , प्लास्टिक की बोतलों को काटकर बनाये गमले ,शोपीस व शिविर के

अंतर्गत बनाए गए स्लोगन, पोस्टर्स जो कि जल संरक्षण, वायु प्रदूषण, वृक्षारोपण, कोरोनावायरस , सड़क सुरक्षा, साक्षरता  पर बनाए गए थे, की प्रदर्शनी लगाई गई ।

प्रदर्शनी का उद्घाटन एसडीएम सरधना श्री अमित कुमार, सिस्टर सुपीरियर डॉक्टर मेलवा, प्राचार्या  डॉक्टर सिस्टर क्रिस्टीना जी के द्वारा किया गया । सभी ने स्वयं सेविकाओं के कौशल की सराहना की। अपना आशीर्वाद दिया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वर की प्रार्थना के साथ हुआ। स्वयं सेविकाओं के द्वारा वंदे मातरम गीत पर योगा प्रस्तुत किया गया।

समापन सत्र में समाजसेविकाओ के द्वारा सामाजिक समस्याओं पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया गया । जिसमें बेटी के स्वाभिमान को ऊंचा उठाने का संदेश दिया गया। तत्पश्चात गंगा के प्रदूषण, नदियों के प्रदूषण को कैसे दूर किया  जाए एवं उनकी वर्तमान स्थिति पर  नाटिका प्रस्तुत की ।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एसडीएम सरधना श्री अमित कुमार जी ने अपने संबोधन में स्वयं सेविकाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने जनसंख्या नियंत्रण कन्या भ्रूण , हत्या , जल संरक्षण , जल प्रदूषण पर जो अपने नाटक प्रस्तुत किए वह बहुत ही  संदेश प्रद कार्यक्रम है।

नमामि गंगे, जनसंख्या नियंत्रण, कन्या भ्रूण हत्या, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, यह सभी सरकारी योजनाएं तब तक सफल नहीं हो पाएंगे जब तक समाज के लोग विशेषकर स्वयंसेवक उसमें अपनी भागीदारी व्यक्त नहीं करेंगे। आप के द्वारा किए गए सभी कार्य अत्यंत सराहनीय है मैं आपके उज्जवल भविष्य की कामना  करते

हैं । अंत में प्राचार्या सि० डॉ० क्रिस्टीना जी के द्वारा सभी का आभार व् स्वयं सेविकाओं के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी ।

कार्यक्रम अधिकारी

डॉ0 विदूषी त्यागी

असिस्टेंट प्रोफेसर

**संत जोजफ्स गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सरधना**

**रिपोर्ट**

**चार एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजन शिविर**

**प्रथम एक दिवसीय शिविर - 4 दिसम्बर 2020**

**द्वितीय एक दिवसीय शिविर - 13 जनवरी 2021**

**तृतीय एक दिवसीय शिविर - 10 फरवरी 2021**

**चतुर्थ एक दिवसीय शिविर - 5 अप्रैल 2021**

**प्रथम एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर**

विषय : " कोविड-19 जागरूकता" दिनांक- 4 दिसंबर 2020

प्रथम एक दिवसीय शिविर दिनांक 4 दिसंबर 2020 महाविद्यालय प्रांगण में लगाया गया। शिविर **"कोविड-19 जागरूकता** "विषय पर आयोजित किया गया।

जिसमें छात्राओं द्वारा कोविड-19 के ऊपर स्लोगन एवं पोस्टर तैयार किए गए जैसे "देश का साथ निभाना है कोविड-19 को हराना है , आओ मिलकर हाथ बढ़ाएं सब मिलकर कोरोना को भगाएं।

शिविर का शुभारंभ छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत के साथ प्रारंभ किया गया। शिविर में बी० ए० तृतीय वर्ष की छात्रा रिजवाना ने राष्ट्रीय सेवा योजना की पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी दी।

हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ महेश पालीवाल जी ने छात्राओं को कोरोनावायरस से बचाव के उपाय बताएं। छात्राओं को समझाया 2 गज की दूरी अत्यंत आवश्यक है। समय-समय पर हाथों को सैनिटाइज करें, सुरक्षित रहे। डरना नहीं , सावधानी बरतें। पोस्टिक खाना खाए , गर्म पानी पिए।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदुषी त्यागी ने छात्राओं को बताया पब्लिक प्लेस में ना थूके। आवश्यकता हो तभी बाहर निकले तथा घर पर बच्चों, बड़ों व बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें एवं उचित दूरी बनाकर रखें।

राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से छात्राओं ने कोरोनावायरस के लिए जागरूक किया।

डॉक्टर महेश पालीवाल जी व डॉ अंजलि मित्तल जी का शिविर में विशिष्ट योगदान रहा। प्राचार्य डॉ सिस्टर क्रिस्टीना ने शिविर में छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम अधिकारी

**डॉ0 विदूषी त्यागी**

**असिस्टेंट प्रोफेसर**

**द्वितीय एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर।**

विषय: “मिशन शक्ति” दिनांक -13 जनवरी 2021

द्वितीय एक दिवसीय शिविर 13.01. 2021 को महाविद्यालय प्रांगण में लगाया गया। शिविर "**मिशन शक्ति**" विषय पर आधारित रहा। जिसमें " विश्व की महान महिलाएं "विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।

इसके अतिरिक्त छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण के ऊपर स्लोगन, एवं स्वरचित कविताएं लिखकर नगर में एक रैली निकाली। रैली में भाग लेने वाली छात्राएं इकरा परवीन, शमा, फरहा नाज़ ,सपना रिजवाना , मुस्कान ,अंतिल, सुजाता, श्वेता ,पारुल, फायदा आदि रहे। महाविद्यालय में आकर छात्राओं ने श्रमदान किया। गमलों की खुदाई व सफाई का कार्य किया गया। महाविद्यालय में पहले से लगे पौधों में पानी दिया गया।

शिविर स्थल पर आकर छात्राओं ने जलपान ग्रहण किया और बाद में राष्ट्रगान गाकर शिविर का समापन किया गया। प्राचार्य डॉक्टर सिस्टर क्रिस्टीना ने सभी के कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम अधिकारी

**डॉ0 विदूषी त्यागी**

**असिस्टेंट प्रोफेसर**

## तृतीय एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजन

विषय: "सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा" दिनांक- 10 फरवरी 2021

तृतीय एक दिवसीय शिविर दिनांक 10-2- 2021 को महात्मा विद्यालय प्रांगण में लगाया गया।

शिविर **"सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा"** विषय पर आयोजित किया गया, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विदुषी त्यागी के निर्देशन में शिविर का संचालन किया गया। लक्ष्य गीत के साथ शिविर का प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात शिविर स्थल की साफ सफाई कर श्रमदान किया गया। सड़क सुरक्षा पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। डॉक्टर विदुषी त्यागी ने छात्राओं को बताया कि हमारे देश में किसी भी बीमारी से अधिक मृत्यु सड़क हादसों में होती है जो लगभग 1.5 लाख प्रति वर्ष का आंकड़ा छू जाती है। काफी लोग घायल और चोटिल हो जाते हैं जो जीवन पर्यंत अपाहिज होकर जीवन व्यतीत करने को बाध्य हो जाते हैं। इन हादसों से बचने के लिए सड़क सुरक्षा बहुत जरूरी है इसके लिए हम सभी को एकजुट होकर सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को

जागरूक करना होगा। ये हमारे हाथों में है, हमें सड़क सुरक्षा नियमों का पहले स्वयं पालन करना चाहिए और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

छात्राओं को बताया गया कि हमें चालान से बचने के लिए नहीं बल्कि जीवन सुरक्षित रखने के लिए यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। सीट बेल्ट और हेलमेट का प्रयोग हमारे हाथों में है हमें सड़क सुरक्षा नियमों का पहले स्वयं पालन करना चाहिए और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। सीट बेल्ट और हेलमेट का प्रयोग करें। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात नहीं करनी चाहिए। नशे में ड्राइविंग नहीं करनी चाहिए। सड़क सुरक्षा से संबंधित स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम अधिकारी

**डॉ0 विदूषी त्यागी**

**असिस्टेंट प्रोफेसर**

**संत जोजफ्स गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सरधना**

**चतुर्थ एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना**

विषय : “पर्यावरण एवं मनुष्य” दिनांक- 5 अप्रैल 2021

चतुर्थ एक दिवसीय शिविर 5 अप्रैल 2021 को महाविद्यालय प्रांगण में लगाया गया। शिविर "**पर्यावरण एवं मनुष्य**" विषय पर आधारित रहा। जिसमें छात्राओं को स्वच्छ पर्यावरण से स्वस्थ जीवन किस प्रकार प्राप्त कर सकते हैं बताया गया।

प्रदूषण किस प्रकार से होता है वह कितने प्रकार का होता है, पर प्रकाश डाला गया ।प्रदूषण जल प्रदूषण ,वायु प्रदूषण व भूमि प्रदूषण को रोकने के उपाय बताए गए । इस पर स्लोगन लिखकर पट्टिका तैयार कर नगर में रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया।

पर्यावरण स्वच्छ बनाए स्वस्थ जीवन पाय छात्राओं को डॉक्टर विदुषी त्यागी द्वारा बताया गया कि एक पेड़ 1 वर्ष में 200 पौंड ऑक्सीजन देता है । दो बड़े पेड़ लोगों के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन कर सकते हैं । सभी घर घर में नीम, तुलसी ,आंवला ,अश्वगंधा जैसे पौधे लगाएं क्योंकि यह पौधे बीमारियों से रक्षा करते हैं। जल संरक्षण के बारे में भी जानकारी उपलब्ध कराई गई । डॉक्टर निमिषा का शिविर में विशिष्ट योगदान रहा। प्राचार्या डॉक्टर क्रिस्टीना का शिविर में विशिष्ट योगदान रहा। डॉक्टर सिस्टर क्रिस्टीना ने शिविर में छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम अधिकारी

**डॉ0 विदूषी त्यागी**

**असिस्टेंट प्रोफेसर**

**संत जोजफ्स गर्ल्स डिग्री कॉलेज, सरधना**

**राष्ट्रीय सेवा योजना के**

**सामान्य कार्यक्रम एवं गतिविधियों सम्बन्धी आख्या**

| | |
|---|---|
| 21 जून | अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। ऑनलाइन माध्यम से छात्राओं को योग के महत्तव के बारे में अवगत कराया। |
| 6 जुलाई | स्वयं सेविकाओं के द्वारा गरीबों को भोजन उपलब्ध कराया गया। |
| 12 जुलाई | स्वयं सेविकाओं ने अपने आस पास घरों में जाकर लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक किया। |
| 12 अगस्त | विश्व युवा दिवस मनाया गया जिसमें छात्राओं को जीवन में समाज के लिए लाभकारी बनने के लिए प्रेरित किया गया। |
| 15 अगस्त | छात्राओं द्वारा देशभक्ति से ओत प्रोत कवितायेँ, गीत नाटक एवं पोस्टर ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत किये गए। |
| 18 अगस्त | छात्राओं का राष्ट्रीय सेवा योजना क्या है ? उसका उद्देश्य क्या है ? उसके क्या - क्या कार्यक्रम हैं ? इससे क्या लाभ है ? छात्राओं को स्वयं सेविकायें बनकर क्या - क्या करना होगा, इसकी जानकारी कार्यक्रम अधिकारी डॉ ॰ विदुषी त्यागी के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से दी गयी। |
| 22 अगस्त | स्वयं सेविकाओं के द्वारा निराश्रित पशुओ को खाना उपलब्ध कराया गया। |
| 5 सितम्बर | स्वयं सेविकाओं के द्वारा राष्ट्रपति डॉ॰ राधाकृष्णनन के जन्म दिन पर ऑनलाइन माध्यम से स्वयं सेविकाओं को उनका जीवन परिचय उनके आदर्शों के बारे में जानकारी दी गयी। स्वयं सेविकाओं के द्वारा सोशल |

| | |
|---|---|
| | मीडिया के माध्यम से अपने कॉलेज की शिक्षिकाओं का अभिनन्दन किया गया । |
| 15 सितम्बर | ऑनलाइन माध्यम के दवारा राष्ट्रीय सेवा योजना अधिविन्यास कार्यक्रम चलाया गया जिसमें छात्राओं को बताया गया कि उन्हें एक वर्ष में 120 घंटों का सामाजिक सेवा का कार्य वृक्षारोपण एवं श्रमदान करना होगा 120 घंटों का सामाजिक कार्य करने के बाद उन्हें 7 दिवसीय शिविर में शामिल किया जायेगा जिन छात्राओं कि गतिविधियां उल्लेखनीय होंगी 100 में से उन्ही 50 छात्राओं को शिविर के लिए चयनित किया जायेगा । |
| 18 सितम्बर | स्वयं सेविकाओं के द्वारा अपने अपने गांव व् नगर में कोरोना के प्रति वृद्धों एवं बच्चों को जागरूक किया गया । |
| 24 सितम्बर | राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस ऑनलाइन माध्यम से मनाया गया । जिसमें छात्राओं ने शपथ ली कि वे अपना सेवा कार्य एवं श्रमदान ईमानदारी एवं उत्साह से करेंगी । इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य एवं प्रतीक चिह्न के विस्तार पूर्वक व्याख्या कार्यक्रमाधिकारी डॉ ० विदुषी त्यागी के द्वारा की गयी स्वयं सेविकाओं के द्वारा कवितायेँ भी प्रस्तुत की गयीं। |
| 2 अक्टूबर | स्वयं सेविकाओं के द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की जयंती के अवसर पर भिन्न - भिन्न कार्यकर्मों का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से कराये गए । जिसमें राष्ट्रभक्ति कवितायेँ एवं गाँधी जी के जीवन पर आधारित पोस्टर्स बनाये गए । |

| | |
|---|---|
| 5 अक्टूबर | स्वच्छता अभियान चलाया गया स्वयं सेविकाओं ने घर - घर जाकर लोगों को स्वच्छता का सन्देश दिया । |
| 24 अक्टूबर | बाल्मीकि जयंती का आयोजन किया गया छात्राओं ने ऑनलाइन क्विज व् भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया । |
| 31 अक्टूबर | सरदार पटेल जयंती तथा भूतपूवे प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी के बलिदान दिवस पर दोनों के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया और उनके जीवन पर आधारित कुछ दृश्य प्रस्तुत किये गए । सभी कार्यक्रम ऑनलाइन कराये गए । |
| 3 नवंबर | स्वयं सेविकाओं के द्वारा घर - घर जाकर ज़रूरतमंदों को साबुन व् सेनेटाइजर दिया गया । |
| 11 नवंबर | राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर स्वयं सेविकाओं के द्वारा गरीब बच्चों को अक्षर ज्ञान कराया गया । |
| 2 दिसंबर | एड्स दिवस मनाया गया जिसमें स्वयं सेविकाओं के द्वारा अपने घर के आस पास मोहल्लों में जाकर नागरिकों को एड्स के प्रति जागरूक किया । |
| 4 दिसंबर | प्रथम एक दिवसीय शिविर "कोविड-19 जागरूकता" विषय पर आयोजित कराया गया । |
| 10 दिसंबर | अंतराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर छात्राओं के द्वारा बालश्रम, महिलाशोषण तथा आतंकवाद पर आधारित नाटक प्रस्तुत किये । |
| 14 दिसंबर | महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से मास्क बैंक बनाया गया । जिसका उद्घाटन सि० प्राचार्या क्रिस्टीना जी के कर कमलों द्वारा कराया गया । |

| | |
|---|---|
| 12 जनवरी | महाविद्यालय में स्वयं सेविकाओं के द्वारा मास्क वितरित किये गए । |
| 13 जनवरी | द्वितीय एक दिवसीय कैंप "मिशन शक्ति " विषय पर आयोजन किया गया । |
| 23 जनवरी | पराक्रम दिवस सुभाष चंद्र बोस की 125 वी जयंती के अवसर पर नेता जी के विचारों से स्वयं सेविकाओं को अवगत कराया गया । |
| 24 जनवरी | अंतराष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया जिसमें स्वयं सेविकाओं के द्वारा "शिक्षा के महत्त्व" पर विचार गोष्ठी कराइ गयी । |
| 25 जनवरी | मतदाताओं को सशक्त सतर्क सुरक्षित और जानकार बनाने के लिए मतदाता दिवस मनाया गया जिसमें स्वयं सेविकाओं को मतदान के लिए शपथ बद्ध किया गया । |
| 26 जनवरी | गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति सामूहिक गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किय्र गए । |
| 28 जनवरी | स्वच्छता रैली के द्वारा नगर में स्वच्छता का सन्देश दिया गया । |
| 2 फरवरी | स्वयं सेविकाओं के द्वारा श्रमदान किया गया जिसमें महाविद्यालय में पहले से लगे गमलों व् क्यारियों में लगे पौधों में सिचाई गुड़ाई की गयी । |
| | चौरी चौरा कांड दिवस – राष्ट्रीय स्वयं सेविकाओं के द्वारा मनाया गया । |
| 10 फरवरी | तृतीय एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया । |
| 15-16 फरवरी | पोषण अभियान चलाया गया । |
| 10 मार्च | शिविर स्थल की साफ़ सफाई पानी की व्यवस्था आदि कर शिविर की तैयारी की गयी । |
| 18-24 मार्च | सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन कराया गया । |
| 6 अप्रैल | चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया । |